कंप्यूटर का विकास हिंदी notes

evolution of computer in hindi (कंप्यूटर का विकास)

evolution of computer in hindi | कंप्यूटर का विकास हिंदी में

डियर फ्रेंड्स एंड स्टूडेंट्स आवश्यकता ही आविष्कार की जननी होती है | चार्ल्स बैबेज को आधुनिक कंप्यूटर्स का फादर कहा जाता है | कंप्यूटर्स को उनकी खोज के अनुसार और उनके कार्य करने की क्षमता के अनुसार 6 एवोल्यूशन से में बांटा गया है:-

- मार्क वन कंप्यूटर(1937 टू 1944)
- Atnasaff बेरी कंप्यूटर्स (1939 to 1944)
- ENIAC (1943 to 1946)
- EDVAC (1946 टू 1952)
- **EDSAC**
- Universal Automatic Computer (UNIVAC)

Mark 1 computers (1937 to 1944)

इसको सीरियल वाइज स्वचालित **केलकुलेटर** के नाम से जाना जाता है। यह पहेली स्वचालित कैलकुलेटिंग मशीन थी यह हावर्ड ainkam के द्वारा डिजाइन की गई थी जो हावर्ड यूनिवर्सिटी में आईबीएम के साथ collabration कर रहे थे।

यह इलेक्ट्रोमैकेनिकल डिवाइस थी। जो पंच कार्ड के सिद्धांत के ऊपर निर्भर करती हैं, यह पांच प्रकार के ऑपरेशंस करने के लिए डिजाइन की गई थी। जोड़ना, घटाना, गुणा करना और डिवाइड करना यानी कि भाग देना और यह टेबल के अनुसार भी डिजाइन की गई थी।

हॉलेरिथ जो व्यापार की दुनिया में पंच कार्ड को लाये थे, जिसे आगे चल कर 1942 में आई बी एम (IBM) का उदय हुआ था। अन्य कम्पनिया भी बाजार में प्रवेश कर गयी और व्यावसायिक उपयोग के लिए पंच रीडर का निर्माण किया, सरकारी और गैर सरकारी दोनों कंपनियों ने डेटा प्रोसेसिंग के लिए पंच कार्ड्स का इस्तेमाल किया।

Atnasaff और बेरी कंप्यूटर्स (1939 to 1944)

डॉ जॉन एटानासौंफ और बेरी ने वर्ष 1939 में पहली बार इलेक्ट्रॉनिक डिजिटल कंप्यूटिंग डिवाइस का निर्माण किया और अपनी पूरी डिज़ाइन को 1942 में पूरा किया था, ये कंप्यूटर इलक्ट्रोनिक के सिद्धांत पर और ऑन और ऑफ की अवधारणा पर तैयार किया गया था।

जॉन atanasaff ने इलेक्ट्रॉनिक मशीन को डेवलप किया था | जो मैथमेटिकल एरर्स को सॉल्व करती थी| इसके अंदर इन्होंने 45 वेक्यूम ट्यूब को यूज किया था ,जो इसमें इंटरनल लॉजिक और कंप्यूटर से और स्टोरेज को नियंत्रित करती है।

- BCA Course क्या है और कैसे करें
- MCA course क्या है और ये कोर्स कैसे करें

ENIAC (1943 to 1946)

द इलेक्ट्रॉनिक न्यूमेरिकल inetergar और केलकुलेटर स्कोर एनआईएसी टीम ने साथ में मिलकर तैयार किया था क्योंकि इसके मिलिट्री को बहुत जरूरत है, यह

एक दीवार पर बहुत कम स्पेस में फिट हो जाता है यानी कि 20 बाई 40 स्क्वायर फीट में फिट हो जाता है।

और इसके अंदर 1800vacuum ट्यूब यूज़ की गई थी यह दो नंबर को ऐड करने में 200 माइक्रोसेकंड लेता है और मल्टिप्लाई करने में यह 2000 माइक्रोसेकंड लेता है।

पहला इलेक्ट्रॉनिक डिजिटल कंप्यूटर पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय में शुरू किया गया था।

EDVAC (1946 टू 1952)

Dr. john von nouman ने एक नए डिवाइस की और प्रोग्राम की पहचान कराई जो इलेक्ट्रॉनिक सर्किट और वेरिएबल को ऑटोमेटिक यूज करता है कंप्यूटर में स्टोर प्रोग्राम को स्टोर करने के लिए उसको यूज किया गया था। उसको डिजाइन किया गया था यह सूचना और डेटा दोनों को बायनरी रूप में कंप्यूटर में स्टोर करता है और डेसिमल रूप में भी इस को बदल देगा जिससे कि मनुष्य को आसानी से पढ़ सकते थे।

EDSAC

यह इलेक्ट्रॉनिक delay स्टोरेज और ऑटोमेटिक केलकुलेटर था। यह मशीन अपना पहला प्रोग्राम में run करने के लिए मई 1949 में ऑपरेट की गई। यह जोड़ना ऑपरेशन को करने में 1500 माइक्रो seconds लेती है और गुणा करने वाले कार्य को करने में 4000 माइक्रोसेकंड लेती थी।

ये भी पढ़े:- computer generations pdf in hindi

Universal Automatic Computer (UNIVAC)

यूनिवर्सल ऑटोमेटिक कंप्यूटर (Universal Automatic Computer) पहला डिजिटल कंप्यूटर था। यह एक साधारण कंप्यूटर नहीं था। यूएनआईएसी ने इसको कमर्शियलइस्तेमाल किया था और उसको डिजिटल कंप्यूटर के रूप में घोषित किया था। उसको business साइंटिफिक एप्लीकेशन के लिए पूर्णतया बनाया गया।